स्वर्ण दिल्ली

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 12, अंक 279 नई दिल्ली

गुरुवार, 14 नवंबर 2024, पृष्ठः 8 मूल्यः 5 रुपये

दिल्ली में नवंबर अंत से शुरू हो जाएगा नर्सरी में दाखिला

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने 2025-26 शैक्षणिक सत्र के लिए निजी गैर-सहायता मान्यता प्राप्त स्कूलों में प्रवेश स्तर की कक्षाओं के लिए प्रवेश कार्यक्रम की जानकारी दी।

शिक्षा निदेशालय ने बताया कि लिंक पर विभाग के मानदंड और दाखिला सम्बंधित जानकारी को अपलोड करने की प्रक्रिया 25 नवंबर से शुरू होगी। निदेशालय ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया के फॉर्म 28 नवंबर से दिए जाएंगे। अभिभावकों के पास दिल्ली नर्सरी आवेदन पत्र जमा करने के लिए 20 दिसंबर तक का समय होगा।

इस कार्यक्रम में ओपन सीट्स प्रवेश शामिल है। जो आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्लूएस), वंचित समूह (डीजी) और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्लूएसएन) के अलावा अन्य श्रेणियों के लिए है। स्कूल प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले बच्चों का विवरण अपलोड करने के लिए विभाग के पास तीन जनवरी तक का समय होगा।

आप पदाधिकारी बिजवासन में बने हुए हैं पानी माफिया, सरकार करे कार्रवाई वरना करेंगे प्रदर्शन: बिधूड़ी

नई दिल्ली। भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आरोप लगाया है कि बिजवासन में कई आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी पानी माफिया की तरह काम कर रहे हैं औ उन्हें स्थानीय विधायक का संरक्षण प्राप्त है। रामवीर सिंह बिधूड़ी ने 9-10 नवम्बर रात की घटना का जिक्र करते हूए कहा, भाजपा कार्यकर्ताओं ने आप के स्थानीय वार्ड अध्यक्ष द्वारा करवाये जा रहे अवैध बोरबेल को उजागर किया, टैंकर माफिया का पर्दाफाश किया तो उन पर हमला कर दिया।

रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि आप के मंडल अध्यक्ष अरुण शर्मा और आप के अन्य पदाधिकारी मिलकर अवैध बोर से कापसहेड़ा व आसपास में पानी लोगों को पानी खरीदने को मजबूर करते। लोगों ने विरोध किया तो उन पर हमला कर दिया गया। उन्होंने टैंकर माफियाओं पर कार्रवाई की मांग करते हुए एक्शन नहीं हुआ तो सीएम आवास पर भाजपा विरोध प्रदर्शन करेगी।

क्षेत्रीय पार्षद जयवीर राणा ने कहा, जब हमने अरुण शर्मा से रात में बोरबेल करने की अनुमति मांगी तो उसने बहस के बाद हमला कर दिया। बिजवासन में सिर्फ दो बोरवेल की मंजूरी है लेकिन इन्होंने 20 बोरवेल अवैध तरीके से बनाए हैं ताकि टैंकर माफियाओं को संरक्षण मिल सके। भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने प्रकाश जरवाल का जिक्र करते हुए कहा, आप विधायक टैंकर माफिया को संरक्षण देते हैं यह किसी से छिपा नहीं है।

इस पूरे मामले पर विधायक बीएस जून ने वीडियो जारी कर कहा, दुर्भाग्य की बात है कि अनुभवी राजनेता ऐसी बात कर रहे हैं जो सत्य नहीं हैं। यह बोरवेल एनजीटी के नियमों के उल्लंघन से करवाने के आरोप भी निराधार हैं। उन्होंने कहा कि पूरे विधानसभा में 73 बोर जल बोर्ड द्वारा करवाए हैं और सात नए मंजूर करवाए हैं। हमने सैंकड़ों बोरवेल अवैध तरीके से करवाए हैं यह आरोप निराधार हैं।

बीएस जून ने कहा कि भाजपा नेता बताएं कहां अवैध बोर हुए हैं। इस मामले में दूसरी पार्टी के भी चोट आई है, जांच होनी चाहिए और जो गलत हो उसे सजा मिलना चाहिए। अगर सबूत हैं तो दिखाएं, अन्यथा चुनाव से पहले इस तरह से बदनाम न करें। मंडल अध्यक्ष या जो कोई भी अगर दोषी हैं तो वह जिम्मेदार है जहां तक मंडल अध्यक्ष के फोटो मनीष सिसोदिया के साथ हैं तो वह मंडल अध्यक्ष हैं यह कोई गुनाह नहीं है कि वह फोटो खिंचवाते हैं।

न्याय यात्रा को मिल रहा है सभी वर्गो का समर्थन : राज कुमार मेरोठिया

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव द्वारा केंद्र सरकार तथा दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली की जनता के खिलाफ किये जा रहे अन्याय के खिलाफ निकाली जा रही न्याय यात्रा को दिल्ली के हर वर्ग का समर्थन मिल रहा है। यह कहना है पड़पड़ गंज जिला कांग्रेस के पूर्व महामंत्री राज कुमार मेरोठिया का। श्री मेरोठिया है न्याय यात्रा अभी अपने शुरुवाती चरण में ही है लेकिन दिल्ली भर में यह यात्रा चर्चा का विषय बन चुकी है। श्री मेरोठिया कहते हैं व्यापारी, दिहाड़ी मजदूर, रेहड़ी पटरी लगाने वाले लोग, स्कूली छात्र, दुकानदार, ऑटो रिक्शा वाले सभी न्याय यात्रा से जुड़ रहे हैं। आलम यह है कि न्याय यात्रा को मिलते जन समर्थन से आम आदमी पारी और भारतीय जनता पार्टी में घबराहट होने लगी है। लोग आप की दिल्ली सरकार तथा केंद्र की भाजपा सरकार के बारे में खुलकर श्री यादव को बताते है। श्री मेरोठिया कहते हैं यात्रा में महिलाएं, युवा बढ़चकर हिस्सा ले रहे है, गांव वाले, झुग्गियों वालों की की समस्याओं पर चर्चा हो रही है। औद्योगिक क्षेत्र की एसोसिएशन भी यात्रा में बढ़चढ़ कर यात्रा का स्वागत कर रही है। लोगों के बढ़चढ़कर दिल्ली न्याय यात्रा में जुड़ने से साबित हो गया है कि यात्रा को निश्चित ही अप्रत्याशित समर्थन मिल रहा है, लोग अपनी समस्याए साझा कर रहे है। उन्होंने कहा कि हमें खुशी भी होती है और दर्द भी होता है। जिस उम्मीद के साथ लोगों ने भाजपा और आम आदमी पार्टी को चुना था वो लोगों की वो उम्मीद पूरी तरह खत्म हो चुकी है। यात्रा के दौरान कूड़े के ढ़ेर भी लगे हुए है, जिस पर चिंता जताते हुए श्री यादव ने कहा कि सरकारें पूरी तरह फेल साबित हुई है।

सम्पादक की कलम से

एक नहीं, पर सेफ हैं

भाजपा ने महाराष्ट्र के अखबारों में एक विज्ञापन छपवाया है-एक हैं, तो सेफ हैं। विज्ञापन के 'एक' शब्द में 46 टोपियां और पगड़ियां छापी गई हैं। वे महाराष्ट्र के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करती हैं, लेकिन एक टोपी गायब है। बेशक वह टोपी मुसलमान की है, जो बहुधा प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के खिलाफ वोट देता है। यहीं से स्पष्ट होने लगता है कि उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'बंटेंगे, तो कटेंगे' का नारा क्यों लगाया था? उसी तर्ज पर प्रधानमंत्री मोदी चुनाव प्रचार के दौरान यह नारा क्यों लगवा रहे हैं-'एक हैं, तो सेफ हैं।' दोनों का भावार्थ एक ही है। प्रधानमंत्री ने अपने नारे को साजिश से जोड़ दिया है और समाज को बांटने के लिए कांग्रेस को लगातार आरोपित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने संविधान की शपथ ली है कि वह पूरे देश के प्रधानमंत्री हैं। भाजपा-एनडीए के ही प्रधानमंत्री नहीं हैं, बल्कि समूचे विपक्ष के भी प्रधानमंत्री हैं। विज्ञापन और चुनाव प्रचार से यह भी साफ हो रहा है कि भाजपा हिंदू-मुसलमान की बात कर रही है। यह आश्चर्य है कि देश का 80 फीसदी बहुसंख्यक, 15 फीसदी अल्पसंख्यक की तुलना में, भयभीत और असुरक्षित महसूस कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के प्रचारक नेता लगातार ये नारे बुलंद कर बहुसंख्यक हिंदुओं को लामबंद करना चाहते हैं। यह चुनावी लक्ष्य है। यह प्रधानमंत्री या वरिष्ठ नेताओं की राष्ट्रीय, सामाजिक, जातीय चिंता नहीं है। करीब 145 करोड़ की आबादी वाला भारत 'एक' हो ही नहीं सकता। विविधता तो भारत की खूबसूरती है। उत्तर, दक्षिण, पूर्वोत्तर भारत की संस्कृति, उनके रस्मो-रिवाज, उनकी भाषाएं-बोलियां, नस्लें, जातियां-उपजातियां और धार्मिक आस्थाएं बिल्कुल अलग-अलग हैं। प्रधानमंत्री के आह्वान के बावजूद वे 'एक' नहीं हो सकतीं, लेकिन भारत की संप्रभुता, एकता, अखंडता के सवाल पर वे सभी 'एक' हैं, 'भारतीय' हैं। प्रधानमंत्री को चिंता क्यों करनी चाहिए? बीते 77 साल से भारत राष्ट्र 'एक' है, बहुत कुछ भिन्न है। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव हैं। उप्र समेत कई राज्यों में उपचुनाव भी हो रहे हैं। एक तरफ मुसलमानों के उलेमाओं, मौलानाओं ने बैठकें की हैं और महाविकास अघाड़ी के पक्ष में वोट करने के आह्वान किए हैं। उन्होंने महाराष्ट्र में मुसलमानों को 10 फीसदी आरक्षण देने जैसी भी शर्त रखी है। एक अन्य बैठक में 'वक्फ बिल' के विरोध में २4 नवंबर को 'दिल्ली कूच' का आह्वान खासकर मुस्लिम नौजवानों के लिए किया गया है। २5 नवंबर से संसद का शीतकालीन सत्र शुरु हो रहा है। दिल्ली केंद्रीय सत्ता की धुरी है। ऐसे आह्वान और विरोध-प्रदर्शन, कानून के दायरे में, किए जा सकते हैं। मुस्लिम मौलानाओं ने 'औकात' और 'रूह कांप जाएगी' सरीखे आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया है। यह सामाजिक, सांप्रदायिक अलगाव को दर्शाता है।

सुषमा शर्मा

देश के लिये कलंक है नक़ली खाद्य सामग्री का चलन

कम से कम समय व लागत में अधिक से अधिक धन कमाने जैसी 'शार्ट कट' मानवीय प्रवृति ने लगभग पूरे देश को संकट में डाल रखा है। भारतीय बाज़ार में नक़ली व मिलावटी सामानों की भरमार इसी प्रवृति का नतीजा है। परन्तु जब यही मिलावटख़ोरी या नक़ली सामग्री का इस्तेमाल खाद्य सामग्रियों में होने लगता है तो निःसंदेह यह सीधे तौर पर इंसान की जान से खिलवाड़ करने या धीमा ज़हर देने के सिवा और कुछ नहीं। पूरा देश इस बात से भली भांति वाक़फ़ि है कि हमारे देश में दूध का जितना उत्पादन होता है उससे कई गुना ज़्यादा दूध व दूध से बनी ज़रूरी सामग्री की खपत होती है। यह दूध आख़रि कहाँ से आता है? सोशल मीडिया के वर्तमान दौर में ऐसी अनगिनत वी डी ओ वायरल हो चुकी हैं जिनमें नक़ली व ज़हरीला दूध बनते देखा जा सकता है। नक़ली व मिलावटी देसी घी, खोया सब कुछ देश में बन रहा है व बेचा जा रहा है। असली नक़ली का भेद न कर पाने वाली आम जनता उसी धीमे ज़हर को खाने पीने के लिये मजबूर है। और इन्हीं या इनसे बनी अनेक खाद्य सामग्रियों का सेवन कर तरह तरह की बीमारियों का शिकार हो रही है।

अब तो हद यह हो गयी है कि पिछले दिनों देश की राजधानी दिल्ली, ग़ाज़ियाबाद, मोदीनगर और हरियाणा के जींद से अमूल जैसे लोकप्रिय देसी घी सहित कई अन्य कम्पनीज़ के ब्रांड के नाम पर बनने वाला नक़ली घी पकड़ा गया। ज़हरीली खाद्य सामग्री का व्यवसाय करने वाले यह लोग टेट्रा पैक पर अमूल घी, मधुसूदन घी, मदर डेयरी घी, पतंजलि गाय घी, वर्का घी, नेस्ले एवरीडे घी, आनंद घी, परम देशी घी, मिल्कफूड देशी घी, मधु घी, लक्ष्य घी और श्वेता घी जैसी कम्पनीज़ के नक़ली ब्रांड पैक इस्तेमाल करते थे। और इन्हीं अलग अलग कंपनी के ब्रांड नाम से तैयार किया जा रहा देसी घी बनाकर बाज़ार में बेच रहे थे। केवल हरियाणा के जींद में जो देसी घी बनाने वाली फ़ैक्टरी पकड़ी गई है वहां 2500 लीटर नक़ली घी का कच्चा माल बरामद हुआ। पुलिस ने इस मिलावटी नेटवर्क को चलाने में रितिक खंडेलवाल, मथुरा, संजय बंसल, शाहदरा, दिल्ली, रोहित अग्रवाल, मोदीनगर, गाज़ियाबाद, कृष्ण गोयल, जींद, नरेश सिंघला व अश्वनी उर्फ आशु, जींद को आरोपी बनाया है। नक़ली ज़हरीला घी खाने का अर्थ कैंसर को दावत देना होता है। वैसे तो देसी घी में प्रायः आलू, शकरकंद जैसे स्टार्च की मिलावटी की जाती है। लेकिन कई बार इसमें कोल टार डाई या अन्य ख़तरनाक रसायन भी मिला दिये जाते हैं जिसके कारण फ़ूड पॉइज़निंग, एलर्जी जैसी परेशानियों से लेकर कैंसर जैसी ख़तरनाक बीमारी तक भी हो सकती है।

ख़बरों के अनुसार गत 12 नवंबर (मंगलवार) को केवल दिल्ली में एक ही दिन में 50 हज़ार शादियां हुईं। ज़रा सोचिये कि हर शादी में दूध घी पनीर खोया मिठाई आदि की कितनी खपत हुई होगी। इसी तरह पूरे देश के विवाह आयोजनों व अन्य समारोहों में आप जब जहाँ और जितना भी घी, दूध, दही मक्खन, खोया, पनीर आदि जो भी चाहें आप को मिल जायेगा। सवाल यह है कि जब सरकार व प्रशासन भी इस जालसाज़ी व मिलावटख़ोरी की ख़बरों व इसके नेटवर्क से वाक़फ़ि है और इसे रोकने के लिये पर्याप्त क़ानून भी बने हैं उसके बावजूद मिलावटख़ोरी का यह सिलसिला दशकों से क्यों चला आ रहा है? कुछ लोगों की अधिक धन कमाने की 'शॉर्टकट' प्रवृति ने आख़रि पूरे देश को धीमा ज़हर खाने के लिये क्यों मजबूर कर दिया है। क्यों ज़हर के इन व्यवसायियों के हौसले दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। यह जानने के लिये पड़ोसी चीन की एक घटना का उल्लेख करना ज़रूरी है। कुछ वर्ष पूर्व चीन में अपराधी मानसिकता के ऐसे ही दो लोगों द्वारा नक़ली दूध बनाने का धंधा शुरू किया गया। कुछ दिनों में ही यह नक़ली दूध जांच के दायरे में आ गया। जब यह नेटवर्क ध्वस्त हुआ तो वहां की सरकार ने इन दोनों ही अपराधियों को सज़ा-ए-मौत दे दी। तब से आजतक वहां नक़ली दूध के किसी दूसरे नेटवर्क ने अपना सिर बुलंद नहीं किया।

हमारे देश में इस तरह के नक़ली, मिलावटी व ज़हरीले खाद्य नेटवर्क को बढ़ावा देने के पीछे सच पूछिए तो सरकार, प्रशासन व जनता, कुछ न कुछ सभी ज़म्मिेदार हैं। यदि आप देश के समाचारपत्रों पर नज़र डालें तो शायद ही कोई दिन ऐसा होता हो जिसदिन इस तरह का नक़ली, मिलावटी व ज़हरीला खाद्य सामग्री का नेटवर्क पकड़ा न जाता हो।

परन्तु आपको यह ख़बर बहुत कम बल्कि ना के बराबर पढ़ने को मिलेगी कि अमुक नक़ली, मिलावटी खाद्य नेटवर्क से जुड़े लोगों को सख़्त सज़ा हुई हो। इसका कारण है कि जो प्रशासन मिलावटख़ोरी के नेटवर्क को पकड़े जाने की वाहवाही जिस तरीक़े से लूटता है वही उनसे जुड़े उन सुबूतों को अदालत तक उस मुस्तैदी के साथ नहीं पहुंचा पाता जैसा कि छापेमारी के समय मीडिया में नज़र आता है। अब चूँकि आदालतें साक्ष्य, गवाही व दस्तावेज़ों के आधार पर ही अपने फ़ैसले सुनाती हैं और अदालत में साक्ष्य, गवाही व दस्तावेज़ों को उपलब्ध कराना कार्यपालिका का विषय है, इसलिये साक्ष्य, गवाही व दस्तावेज़ों के अभाव में सभी गिरफ़्तार आरोपियों को सज़ा नहीं मिल पाती। इसीलिये यह आम धारणा बन चुकी है कि इसतरह के नेटवर्क से जुड़े लोग भ्रष्टाचार व रिश्वत के दम पर स्वयं को बचा ले जाते हैं और ज़ाहिर है कि बरी होने के बाद यही लोग बुलंद हौसले के साथ आम लोगों को ज़हर बेचने का यही काम फिर शुरू कर देते हैं।

जनता इसलिये ज़म्मिेदार है कि वह ऐसे अपराधियों को समाज में संरक्षण देती है। जो लोग नक़ली, मिलावटी खाद्य नेटवर्क से जुड़े होते हैं वे एलियन नहीं न ही वे आसमान से टपकते हैं। वे भी किसी गली मोहल्ले कॉलोनी या शहरों व गांव में रहते हैं। जब यह लोग ज़हर बेचते पकड़े जाते हैं तो इनके रिश्ते नातेदार पड़ोसी सभी को इनके करतूतों का पता चलता है। वास्तव में समाज को ऐसे लोगों का पूर्णतः सामाजिक बहिष्कार करना चाहिये। यदि अपनी चालाकियों या रिश्वत के बल पर यह अदालत से बरी भी हो जाएँ तो भी पास पड़ोस के लोगों व इनके सभी जानने वालों को इनका सामाजिक बहिष्कार करना चाहिये। आश्चर्य है कि जो लोग समाज को ज़हर देकर मारने का संगठित व इरादतन अपराध करते हों उसी समाज के लोग इन अपराधियों को अपने सर माथे पर बिठाते हैं? इससे भी इनके हौसले बुलंद होते हैं। और ऐसे ही लोगों के चलते मिलावटी व नक़ली खाद्य सामग्री का बढ़ता चलन देश के लिये कलंक बनता जा रहा है।

Invitin.g Shopperr's

Design Your Dream Attire

- Couture, Clothing & Designer Fabrics
- Rental Wedding, Lehengas, & Gowns
- Exclusive Nail Art
- Designer Mehandi
- Cosmetics

B-20/11, Double Storey, Ramesh Nagar, Delhi | Mob.: 9911294429, 011-45294429

SINCE 1975
KARAN'S
VAISHNO DHABA
MOUTH WATERING CUISINES
Lunch: 11:30am to 4.00pm * Dinner: 7.00pm to 11.00 pm
Food Without Onion & Garlics On Every Navratra
Note:
Please allow extra time for delivery on Suturday, Sunday and Holiday
Rates are subject to change without prior notice
Minimum delivery time 30 min. to 45min
All the items may not be available at all the time
Home delevery charged rs. 20. - within 1km

Home Delevery
8700965740,
9871558873,
9212598873
Spl. In Outdoor Catering

S.B. Malik (Jaggu Ji)
9311906362
011-41421363
Prince Realtech & Developers

SALE
PURCHASE
RENTING
COLLABORATION
AGRICULTURE LAND
FARM LAND
RESIDENTIAL
COMMERCIAL
INDUSTRIAL
B-121AC, Mansarover Garden,
New Delhi-110015

We Positive Care
We Positive Care
Chitragupt Foundation
C186 A , 4th floor hari nagar
clock tower, Pincode 110064

Punnu Biriyani
M:- 093134 07108
punnubiriyani.com
Free Home Delivery
011-25119013,
41447298,
25446671

(Jhatka Used Here)
Note- For Franchise Inquiry, call- 9313407108
DDA LIG Market, Near Cambridge Foundation School,
Rajouri Garden, New Delhi, Delhi 110027
Takeout / Delivery Open Closes 23:30

श्री राधे
श्री गणेशाय: नम:
श्री राधिका ज्योतिष शोध संस्थान

ज्योतिष, वास्तु अंक विद्या, हस्त रेखा व लाल किताब, पीली किताब द्वारा सभी समस्याओं का समाधान
शादी या सन्तान नही होना, नौकरी नही लगना, व्यापार नही चलना शारीरिक परेशानी या गृह कलेश रहना व अजीब घटनाओं का घटना
आपकी कुण्डली में घटित मांगलिक दोष, ग्रहण दोष व काल सर्प दोष व अन्य सभी दोषों के समाधान के लिए सम्पर्क करें।
सभी प्रकार के वैदिक अनुष्ठानों के लिए सम्पर्क करें।
Pt. S.K. Sharma, Vedic Astrolger n Healer!

Thirak Fitness Classes

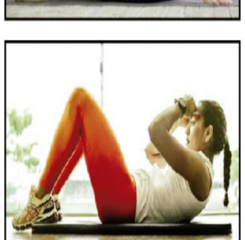

Be Healthy
Learn YOGA

WEDDING CHOREOGRAPHY & EVENT MANAGEMENT WORKSHOP
Venue : 7/89, Ramesh Nagar
Contact : Mrs. EKTA ABROL
Mob:- 9899900178
- Yoga with Zumba
- Exercise
- Dumble Exercise
- Stepper Exercise
- Abs Workout
- Meditation
- Pranayam

फीजियोथिरेपी सेन्टर
आधुनिक मशीनों से युक्त व कुशल डॉक्टर की देख रेख में चल रहा है।
समय: प्रात 9 बजे से 12 बजे तक एवं
सायं 5 बजे से 7 बजे तक
रविवार अवकाश

कीर्ति नगर श्री सनातन धर्म सभा (पंजी.)
गीता भवन, कीर्ति नगर, नई दिल्ली- 110015

केजरीवाल की समन को चुनौती देने वाली याचिका पर ईडी से जवाब तलब

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित आबकारी घोटाले से संबंधित धन शोधन मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अरविंद केजरीवाल को जारी समन को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा।

न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने आपराधिक मामले में मुकदमे की सुनवाई पर रोक लगाने से इनकार किया और कहा कि केजरीवाल ने निचली अदालत के जिस आदेश को चुनौती दी है, वह दो महीने पुराना है न कि कोई नया आदेश है। उच्च न्यायालय ने उस याचिका पर ईडी को नोटिस जारी किया, जिसमें मामले में एजेंसी द्वारा दर्ज शिकायत पर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री को जारी समन को चुनौती दी गई है।

केजरीवाल के वकील ने इस आधार पर शिकायत के गुण-दोष पर सवाल उठाया कि समन एक अधिकारी द्वारा जारी किया गया था, जबकि शिकायत किसी अन्य अधिकारी द्वारा दर्ज करायी गयी थी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने एक सत्र अदालत के 17 सितंबर के आदेश को चुनौती दी है जिसमें समन को चुनौती देने वाली उनकी याचिका खारिज कर दी गयी थी।

सुनवाई के दौरान ईडी के वकील ने याचिका के गुण-दोष पर प्रारंभिक आपत्ति जतायी। उन्होंने दलील दी कि केजरीवाल की याचिका दूसरी पुनरीक्षण याचिका है, जो दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 482 की आड़ में दायर की गई है और यह कानून में वर्जित है। उन्होंने कहा कि जिस आधार पर यह याचिका दायर की गयी है, वही आधार निचली अदालत में दायर याचिका में थे।

वहीं, केजरीवाल के वकील ने दलील दी कि जब 'आप' नेता को ईडी के सहायक निदेशक पद के एक अधिकारी ने समन जारी किए तो शिकायत उसी पद के दूसरे ईडी अधिकारी द्वारा दर्ज नहीं करायी जा सकती। वकील ने कहा कि समन पर हस्ताक्षर करने वाला अधिकारी उपलब्ध था लेकिन फिर भी दूसरे अधिकारी ने अदालत में शिकायत दर्ज करायी।

केजरीवाल के वकील ने कहा, ''वह (केजरीवाल) जेल में उतना समय काट चुके हैं जिसके लिए वे (ईडी) उन्हें सजा दे सकते थे। ईडी के सहायक निदेशक जोगिंदर सिंह ने तीन समन जारी किए थे। लेकिन शिकायत एक अन्य सहायक निदेशक (संदीप शर्मा) ने दर्ज करायीसवाल यह है कि क्या वह शिकायत दर्ज करा सकते हैं।'' अदालत ने मामले पर अगली सुनवाई के लिए 19 दिसंबर की तारीख तय की है।

केजरीवाल ईडी की शिकायत पर उन्हें पेश होने का निर्देश देने वाली एक मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश के खिलाफ सत्र अदालत गए थे। केजरीवाल ने, उन्हें जारी किए गए समन से बचने के लिए ईडी द्वारा दायर दो शिकायतों पर संज्ञान लेने के बाद मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा जारी समन को चुनौती दी थी।

ईडी ने मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष शिकायतें दायर की थीं और अनुरोध किया था कि दिल्ली की अब रद्द की जा चुकी आबकारी नीति से जुड़े मामले में जारी किए गए कई समन को नजरअंदाज करने के लिए केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाया जाए।

डकैती में शामिल चार बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़े

नई दिल्ली। मोती नगर थाना पुलिस ने एक घर में डकैती डालने वाले चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पंकज कुमार, राकेश, राजेंद्र प्रसाद और श्याम बाबू के पास से पुलिस ने दो सोने की चूड़ियां, अंगूठियां और 50,000 रुपये बरामद की है। आरोपियों में शामिल पंकज कुमार पीड़ित परिवार के घर डेढ़ साल तक घरेलू सहायक के तौर पर नौकरी करता था। इसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर डकैती की साजिश रची थी।

पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि 28 अक्तूबर की शाम को आठ लोगों ने एक परिवार को बंधक बनाकर डकैती की वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों के जाने के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस को घटना की सूचना दी। एसएचओ वरुण दलाल टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

गोपाल राय ने सचिवालय कर्मियों को अलाव जलाने से रोकने लिए हीटर वितरित किये

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली सचिवालय में रात्रि पाली में काम करने वाले कर्मचारियों को हीटर वितरित किए ताकि उन्हें ठंड से बचने के लिए अलाव जलाने से रोका जा सके। राय ने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में रेखांकित किया कि राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता इस मौसम में अभी तक 'गंभीर' श्रेणी में नहीं पहुंची है, जो पिछले वर्षों की तुलना में सुधार को दर्शाता है।

राय ने कहा कि दिल्ली सरकार ठंड के मौसम से जुड़े प्रदूषण स्रोतों, जैसे सर्दी से बचने के लिए खुले में अलाव जलाने पर नियंत्रण स्थापित कर वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि दीर्घकालिक शीतकालीन कार्य योजना, पिछले वर्षों की तुलना में पराली जलाने की घटनाओं में कमी तथा अनुकूल तापमान और हवा की स्थिति सहित विभिन्न कारकों से इस मौसम में दिल्ली की वायु गुणवत्ता अभी तक 'गंभीर' श्रेणी में नहीं पहुंची है।

राय ने कहा कि सरकारी कार्यालयों में रात्रि पाली में काम करने वाले सभी सुरक्षा कर्मियों को हीटर उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली के निजी संस्थानों और निर्माण स्थलों को भी ऐसा करने के लिए कहा गया है। राय ने कहा कि इस कदम से लोगों को अलाव जलाने से रोकने में मदद मिलेगी, जो सर्दियों में स्थानीय स्तर पर प्रदूषण को बढ़ाने का एक प्रमुख कारक होता है।

शुगर से दिल के दर्द तक: क्यों डायबिटीज आपके दिल के खतरे को बढ़ाता है

डायबिटीज को ब्लड शुगर नियंत्रण को बदलने के लिए जाना जाता है, लेकिन इसका प्रभाव इससे कहीं आगे तक फैलता है: यह हृदय रोग के खतरे को दोगुना करने के करीब है। रिसर्च से पता चला है कि डायबिटीज के मरीज, विशेष रूप से टाइप 2, में डायबिटीज रहित लोगों की तुलना में हृदय संबंधी बीमारियों का हमला होने की संभावना दो से चार गुना ज्यादा होती है। इस जीवन-महत्वपूर्ण संबंध पर जोर देने और जागरूकता बढ़ाने के लिए, शैल्बी होस्पिटल, मोहाली के डॉक्टर डायबिटीज और हृदय स्वास्थ्य के प्रबंधन पर एक साथ जोर देते हैं।

डायबिटीज और हृदय स्वास्थ्य के बीच संबंध

डायबिटीज धमनियों में सूजन, हाई ब्लड प्रेशर और प्लाक जमाव पैदा करके रक्त वाहिका के कार्यों को बदल देता है, जिसे एथेरोस्क्लेरोसिस कहा जाता है। बदले में, यह समय के साथ हृदय पर दबाव डाल सकता है और दिल के दौरे और स्ट्रोक की संभावना को बढ़ा सकता है। शैल्बी होस्पिटल, मोहाली में आंतरिक चिकित्सा के सलाहकार डॉ. आकाश गर्ग कहते हैं, ₹ डायबिटीज के मरीजो के लिए ब्लड शुगर के साथ-साथ हृदय जोखिम कारकों को एक साथ नियंत्रित करना आवश्यक है।₹ डायबिटीज अक्सर चुपचाप शुरू होता है, और हृदय रोग लक्षण प्रकट हुए बिना ही शुरू हो सकता है; इसलिए, जल्दी निवारण आवश्यक हो जाता है।

ब्लड शुगर और इंसुलिन प्रतिरोध हृदय को कैसे प्रभावित करते हैं

डायबिटीज के रोगी अपने ब्लड शुगर के स्तर को स्थिर नहीं रख सकते हैं, खासकर जब उनके शरीर में टाइप 2 डायबिटीज के साथ आम तौर पर इंसुलिन प्रतिरोध की घटना का अनुभव होता है। जब शरीर इंसुलिन प्रतिरोध का अनुभव करता है, यानी, इंसुलिन-विनियमित ब्लड शुगर के स्तर का अधिक उत्पादन, तो यह सूजन पैदा कर सकता है और ब्लड प्रेशर बढ़ा सकता है, जो रक्त वाहिकाओं और हृदय ऊतकों को नुकसान पहुंचाता है। यह रक्त वाहिकाओं की परत पर है कि डायबिटीज वाले लोगों में अतिरिक्त ग्लूकोज रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाता है, जिससे थक्के, रुकावटें पैदा होती हैं और समय के साथ हृदय की संरचना कमजोर हो जाती है।

लक्षणों को पहचानें

चूँकि हृदय संबंधी जटिलताएँ उच्च जोखिम से जुड़ी एक आम समस्या है, इसलिए डायबिटीज के रोगियों में शुरुआती लक्षणों के बारे में जागरूकता जरूरी है जो हृदय रोग का संकेत दे सकते हैं, क्योंकि ये कभी-कभी प्रारंभिक चेतावनी संकेत के रूप में सामने आते हैं:

सीने में दर्द या बेचैनी

सांस फूलना

अस्पष्ट थकान

अनियमित दिल की धड़कन

अंगों में सुस्ती या दर्द होना

जोखिम में नियंत्रण और निवारण

शैल्बी होस्पिटल, मोहाली में डॉ. आकाश गर्ग डायबिटीज वाले लोगों में जोखिम प्रबंधन की आधारशिला सुझाते हैं।

1. ब्लड शुगर के स्तर की जाँच करें: विभिन्न अंतरालों पर ब्लड शुगर के स्तर की निगरानी और नियंत्रण करने से क्षति कम होगी और हृदय स्वस्थ रहेगा। शैल्बी होस्पिटल के डॉक्टर समय के साथ औसत ब्लड शुगर के स्तर को मापने के लिए लगातार अंतराल पर ए1सी परीक्षण की सलाह देते हैं।

2. अपने दिल के लिए स्वस्थ आहार पर जोर दें: अधिक सब्जियां, साबुत अनाज और लीन प्रोटीन खाएं और अधिक प्रोसेसिंग का उपयोग करें। ऐसा आहार जिसमें फाइबर की मात्रा अधिक हो और अतिरिक्त शुगर की मात्रा कम हो, आपके ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को सामान्य सीमा के भीतर रखेगा। कम सैचुरेटेड फैट का सेवन आपके दिल के लिए भी काम करता है।

3. नियमित व्यायाम आपके शरीर को इंसुलिन के प्रति अधिक संवेदनशील बना देगा और इस प्रकार ब्लड शुगर को नियंत्रण में रखेगा। इसलिए, यह डायबिटीज के रोगियों के लिए दोहरा लाभ है, हृदय को मजबूत बनाता है और ब्लड प्रेशर को कम करता है।

4. ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करें: दवा या आहार और व्यायाम सहित जीवनशैली में बदलाव, स्तर को नियंत्रित कर सकते हैं। मरीजों को अक्सर उनके कोलेस्ट्रॉल को कम करने और उसके बाद उनके हृदय रोग के जोखिम को कम करने के इरादे से स्टैटिन पर रखा जाता है।

5. धूम्रपान छोड़ें: धूम्रपान से ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ जाता है, जो हृदय की प्रतिकूल परिस्थितियों का कारण बनता है। डायबिटीज वाले लोगों को कभी भी धूम्रपान नहीं करना चाहिए क्योंकि यह हृदय प्रणाली पर और अधिक दबाव डालता है।

निष्कर्ष

डायबिटीज और हृदय रोग के बीच जटिल संबंध गंभीर और जटिल है। डायबिटीज से पीड़ित लोगों को यह अवश्य जानना चाहिए कि हृदय स्वास्थ्य का ब्लड शुगर नियंत्रण से गहरा संबंध है। शैल्बी होस्पिटल, मोहाली दयालु और अत्याधुनिक देखभाल प्रदान करने के लिए समर्पित है, जिससे रोगियों को हृदय रोग को रोकने के लिए डायबिटीज का प्रबंधन करने में मदद मिलती है। अधिक जानकारी के लिए या शैल्बी के विशेषज्ञों में से किसी एक के साथ परामर्श करने के लिए, कृपया हमसे संपर्क करें।

BDS since 1975
MATTRESS HI MATTRESS
Hush,
Serta,
Kingkoil,
Simmons
Nilkamal,
Therapedic

World Class Mattresses
BDS
Visit: 79/3, W.H.S. Kirti Nagar, Delhi - 110015
Ms. Parvinder Kaur
9560509507

पर्थ की पिच पर काफी अच्छी गति और उछाल होगाः क्यूरेटर

पर्थ। भारत का ऑस्ट्रेलिया में कड़ा स्वागत होने वाला है क्योंकि दोनों टीम के बीच बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट की मेजबानी करने वाले ऑप्टस स्टेडियम की पिच से 'अच्छा उछाल और गति' मिलेगी जैसी पारंपरिक रूप से पर्थ की पिच होती है।

भारतीय टीम 22 नवंबर से शुरू हो रहे पर्थ टेस्ट में बिना किसी अभ्यास मुकाबले में खेले उतरेगी क्योंकि मेहमान टीम ने 15 से 17 नवंबर के बीच अपनी ही दो टीम बनाकर होने वाले मैच को रद्द कर दिया है।

भारत अब समीप के वाका स्टेडियम पर तैयारी करेगा जहां ऑस्ट्रेलिया की टीम भी अपने कौशल को निखारेगी।

वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के मुख्य क्यूरेटर इसाक मैकडोनाल्ड ने 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' से कहा, ''यह ऑस्ट्रेलिया है, यह पर्थ है। मैंने काफी अच्छी गति और काफी अच्छे उछाल की तैयारी की है।''

मैकडोनाल्ड उसी तरह की पिच तैयार करने का प्रयास कर रहे हैं जो उन्होंने पिछले साल दिसंबर में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए तैयार की थी।

उस मैच में पाकिस्तान की टीम दूसरी पारी में सिर्फ 89 रन पर सिमट गई थी और ऑस्ट्रेलिया ने 360 रन की बड़ी जीत दर्ज की थी।

मैच आगे बढ़ने के साथ उस मैच में पिच टूटने लगी थी और मार्नस लाबुशेन जैसे बल्लेबाजों को गेंद लगी थी।

ऑस्ट्रेलिया के तीन तेज गेंदबाजों पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिशेल स्टार्क ने पाकिस्तान के 20 में से 12 विकेट चटकाए थे।

हाल में यहां तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह और हारिस राऊफ ने ऑस्ट्रेलिया को 140 रन पर ढेर कर दिया था।

मैकडोनाल्ड ने कहा कि वह पिच पर थोड़ी घास छोड़ने के बारे में सोच रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''यह (10 मिली) अच्छा रहेगा। पिछले साल की परिस्थितियों को देखते हुए 10 मिमी काफी सहज था और शुरुआती कुछ दिन पिच काफी अच्छी रही थी। पिच पर घास का मतलब है, गति।''

मैकडोनाल्ड ने कहा, ''पिछले साल दोनों गेंदबाजी आक्रमण (ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान) काफी तेज थे और इस साल भी ऐसा ही उम्मीद है (भारत के खिलाफ मैच के लिए)।''

बुमराह की चुनौती का सामना करने के लिये तैयार मैकस्वीनी

एडीलेड। भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के जरिये टेस्ट पदार्पण करने जा रहे आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी ने कहा कि वह स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से मिलने वाली अनूठी चुनौती का सामना करने के लिये तैयार हैं।

मैकस्वीनी को शेफील्ड शील्ड टूर्नामेंट और हाल ही में भारत के खिलाफ 'ए' श्रृंखला में अच्छे प्रदर्शन के बाद आस्ट्रेलियाई टीम में जगह मिली।

साउथ आस्ट्रेलिया के 25 वर्ष के मैकस्वीनी 22 नवंबर से शुरू हो रहे पर्थ टेस्ट में उस्मान ख्वाजा के साथ पारी का आगाज करेंगे। मैकस्वीनी ने मीडिया से कहा, ''बुमराह का एक्शन अनूठा है। वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक है। उसके एक्शन की कॉपी कर पाना मुश्किल है। मुझे उसका सामना करने का इंतजार है।''

भारत ए पर 2.0 से मिली जीत में आस्ट्रेलिया ए की कप्तानी करने वाले मैकस्वीनी ने कहा कि वह बुमराह और मोहम्मद सिराज की गेंदबाजी के वीडियो देखकर मानसिक तैयारी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''मैने उनकी गेंदबाजी के क्लिप देखे हैं और मैं मानसिक रूप से उसका सामना करने के लिये खुद को तैयार कर रहा हूं। एक नये गेंदबाज का सामना करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण होता है और सिर्फ एक्शन देखकर उसकी तैयारी नहीं की जा सकती।''

स्कीट निशानेबाज भवतेग को विश्व विश्वविद्यालय निशानेबाजी में स्वर्ण पदक

नईदिल्ली। भारत के युवा स्कीट निशानेबाज भवतेग सिंह गिल ने यहां विश्व विश्वविद्यालय निशानेबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल कर देश की झोली में दूसरा स्वर्ण पदक डाला।

पलक गुलिया और अमित शर्मा की एयर पिस्टल मिश्रित टीम ने रविवार को पहला स्वर्ण पदक जीता था।

भारतीय खिलाड़ियों ने इसके अलावा तीन व्यक्तिगत कांस्य पदक भी जीते। सिमरनप्रीत कौर बराड़ (25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल), यशस्वी राठौड़ (महिला स्कीट) और अभय सिंह सेखों (पुरुष स्कीट)) ने व्यक्तिगत कांस्य पदक जीते।जूनियर वर्ग में चार अंतरराष्ट्रीय पदक जीतने वाले गिल ने फाइनल में 58 अंक बनाकर स्वर्ण पदक जीता।उन्हें साइप्रस के पेट्रोस एंगलजौडिस की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। साइप्रस के खिलाड़ी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारत के एक अन्य निशानेबाज सेखों ने कांस्य पदक जीता।

सेखों ने इससे पहले क्वालीफिकेशन राउंड में 125 में से 122 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था, जबकि गिल ने 119 अंक हासिल कर चौथे स्थान पर रहते हुए छह निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाई थी।

महिलाओं की स्कीट में यशस्वी राठौड़ ने 38 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता, जबकि इटली की जियाडा लोंघी ने स्वर्ण (52) और स्लोवाकिया की एडेला सुपेकोवा ने रजत पदक जीता।

महिलाओं की 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल में सिमरनप्रीत आठ निशानेबाजों के फाइनल में 30 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रहीं। कोरिया की किम मिनेसो (35) और फ्रांस की फोर्रे हेलोइस (34) ने क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीता। चैंपियनशिप में 23 देशों के 220 निशानेबाज भाग ले रहे हैं।

खिलाड़ियों का हमारे खेल की शैली में विश्वास करना महत्वपूर्णः मेनोलो मारक्वेज

हैदराबाद। भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच मेनोलो मारक्वेज ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परिणाम हासिल करने के लिए उनके खिलाड़ियों के लिए देश का प्रतिनिधित्व करते समय समन्वित दृष्टिकोण अपनाना महत्वपूर्ण है।

भारतीय सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम ने हैदराबाद में 18 नवंबर को मलेशिया के खिलाफ मैत्री मैच से पहले अपना ट्रेनिंग शिविर शुरू किया।

फीफा की नवंबर की अंतरराष्ट्रीय विंडो (अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के आयोजन का समय) शुरू होने के साथ इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में ब्रेक हो गया है और भारतीय टीम सोमवार को यहां पहुंची जहां टीम मैच से पहले छह दिन ट्रेनिंग करेगी।

मारक्वेज ने कहा, ''हमें पिछले महीने दो मैच खेलने थे लेकिन बाहरी कारणों से लेबनान नहीं आया। लोगों के लिए अधिक मुकाबले बेहतर होते हैं। लेकिन मैच से एक दिन पहले और बाद में ट्रेनिंग करना मुश्किल होता है। हमें ट्रेनिंग में भी रणनीति की जरूरत होती है।''

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि सिर्फ मलेशिया के खिलाफ मुकाबले के नहीं बल्कि मार्च में होने वाले आधिकारिक मुकाबलों के लिए भी तैयारी करना जरूरी है।''

मारक्वेज के राष्ट्रीय टीम के साथ कोचिंग कार्यकाल की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उनके मार्गदर्शन में सितंबर में मॉरिशस ने भारत को गोल रहित ड्रॉ पर रोका और टीम को हैदराबाद में ही इंटरकॉन्टिनेंटल कप में सीरिया के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा।

टीम को पिछले महीने वियतनाम ने भी अपनी सरजमीं पर 1-1 से ड्रॉ पर रोका।

स्पेन के इस कोच ने अब तक प्रत्येक फीफा विंडो में नए खिलाड़ियों को टीम में जगह देने का चलन जारी रखा है। इस बार हमिंगथनमाविया राल्ते, विबिन मोहनन, इरफान यादवद और थोइबा सिंह मोइरंगथेम को पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया। रविवार को मोहन बागान सुपर जाइंट और ओडिशा एफसी के बीच मैच के दौरान अनिरुद्ध थापा के चोटिल होने के बाद थोइबा को अंतिम समय में टीम में शामिल किया गया।

जुलाई में कार्यभार संभालने के बाद से मारक्वेज की प्राथमिकता मैत्री मुकाबलों और ट्रेनिंग सत्र का उपयोग करके 2027 एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर के लिए खिलाड़ियों के सर्वश्रेष्ठ समूह को खोजने की रही है। क्वालीफायर मार्च 2025 में शुरू होंगे।

कोच ने कहा, ''यह सच है कि हम कुछ नए खिलाड़ियों को आजमाना चाहते हैं लेकिन जाहिर है कि पूरी टीम को बदलना और मार्च में 40 खिलाड़ियों को बुलाना असंभव है। यह सच है कि हम खिलाड़ियों के समूह की तलाश कर रहे हैं।''

कौन बनेगा डांसिंग सुप्रीम? मलाइका या गीता?

जंग का बिगुल बज गया हैः मलाइका अरोड़ा और गीता कपूर बहुप्रतीक्षित डांस बैटल शो, "इंडियाज़ बेस्ट डांसर वर्सेस सुपर डांसरः चैंपियंस का टशन" के जजिंग पैनल में शामिल होने के लिए तैयार हैं, जिसका प्रीमियर 16 नवंबर को शाम 7.30 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर होगा। भले ही वे पहले भी जजों के पैनल में एक-सरे की साथी बन चुकी हैं, लेकिन इस बार - यह जोड़ी विरोधी टीमों का समर्थन करेगी, क्योंकि यह अपनी तरह की पहली प्रतियोगिता डांसिंग सुप्रीम बनने के अल्टीमेट फेस- ऑफ में "इंडियाज़ बेस्ट डांसर" और "सुपर डांसर" दोनों की बेहतरीन प्रतिभाओं को प्रदर्शित करेगी। टेलीविज़न पर एक रोमांचक नए डांस फॉर्मेट की शुरुआत करते हुए, इसने बारह बेहतरीन डांसर्स को स्पॉटलाइट दी है - "इंडियाज़ बेस्ट डांसर" से छह प्रतियोगी और "सुपर डांसर" से छह प्रतियोगी - जो तीन प्रतिभाशाली कोरियोग्राफ़र्स के नेतृत्व में दो विरोधी टीमों का हिस्सा होंगे।

डांस की दुनिया में अपने सिग्नेचर ग्लैमर और व्यापक विशेषज्ञता के साथ, मलाइका इंडियाज़ बेस्ट डांसर पर राज़ करने वाले किंग्स और क्वींस का समर्थन करती नज़र आएंगी, और हर कलाकार की कलात्मकता और कौशल को बढ़ावा देंगी। दूसरी ओर, गीता मां डांसर्स की अगली पीढ़ी को प्रोत्साहित करने के लिए उत्सुक हैं और सुपर डांसर के यंग डायनामाइट्स का समर्थन करेंगी। दर्शक एक शानदार अनुभव की उम्मीद कर सकते हैं क्योंकि मलाइका अरोड़ा, गीता कपूर और डांस का पितामह - रेमो डिसूज़ा यह तय करेंगे कि डांस के इस महा मुकाबले में कौन डांसिंग सुप्रीम बनकर उभरेगा!

इस शो के बारे में बात करते हुए, मलाइका अरोड़ा ने कहा, "दो पीढ़ियों की ताकत को पेश करते हुएः चैंपियंस का टशन सभी हदों को तोड़ देगा। इतनी विविधतापूर्ण और असाधारण प्रतिभा को प्रदर्शित करने वाले शो का हिस्सा बनने का मौका पाने का अनुभव शानदार है। मैं इस हाई स्टेक प्रतियोगिता में इंडियाज़ बेस्ट डांसर के चैंपियंस को सेलिब्रेट करने के लिए उत्सुक हूं, जिसमें मैं हर प्रतियोगी द्वारा मंच पर लाए गए जुनून और रचनात्मकता की गवाह बनूंगी। यह एक यादगार सफर होने वाला है!"

'इंडियन आइडल 15' के बिस्वरूप और मिसमी, राम कपूर-साक्षी तंवर के 'बड़े अच्छे लगते हैं' के टाइटल ट्रैक की नई आवाज़ें हैं

इंडियन आइडल सीज़न 15 के प्रतियोगी बिस्वरूप बनर्जी उर्फ आइडल की लूप वाली आवाज़ और आइडल की ज़िद्दी गर्ल मिसमी बोस ने अपने आइडल के सफर के शुरुआती चरण में भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। इस जोड़ी ने सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के प्रिय शो 'बड़े अच्छे लगते हैं' के नए टाइटल ट्रैक को अपनी आवाज़ दी है। मूल रूप से 2011 में प्रसारित किए गए, राम कपूर और साक्षी तंवर की मुख्य भूमिका वाले इस शो ने पूरे भारत में दर्शकों के दिलों को जीत लिया था। चैनल इस प्रतिष्ठित शो के एपिसोड्स को दोबारा प्रसारित कर रहा है, जो हर सोमवार से शुक्रवार रात 8.30 बजे प्रसारित होता है। यह अनूठा अवसर इंडियन आइडल सीज़न 16 की थीम 'प्लेफ्रंट' सिंगिंग के अनुरूप है, जिसके तहत प्रतियोगियों को न केवल अपनी सिंगिंग कुशलता का प्रदर्शन करना होगा, बल्कि मंच पर रोमांचक उपस्थिति, करिश्मा और शोमैनशिप से दर्शकों को मंत्रमुग्ध भी करना होगा।

कोलकाता के बिस्वरूप बनर्जी ने अपना उत्साह शेयर करते हुए कहा, "दर्शकों को बहुत गहराई से प्रभावित करने वाले शो, बड़े अच्छे लगते हैं का टाइटल ट्रैक गाना किसी सपने के सच होने जैसा है। ऐसे यादगार गाने को अपनी आवाज़ देने में सक्षम होना बहुत बड़े सम्मान की बात है, और मैं थिएटर राउंड के ठीक बाद यह अवसर पाने के लिए इंडियन आइडल का आभारी हूं।

स्वामिधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक सुषमा शर्मा द्वारा दिव्य ऑफसेट प्रिंटर्स, बी-1422 दुर्गा मंदिर, न्यू अशोक नगर, नई दिल्ली-110096 से मुद्रित कराकर बी-5/184, रोहिणी सेक्टर-11 नई दिल्ली से प्रकाशित।
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के उत्तरदायी। RNI No. DELHIN/2013/48040, संपर्क 8826286868